प्रकृति कार्यक्रम के तहत जवाहर नवोदय विद्यालय, जसवंतपुरा (जालोर) के प्राचार्य, शिक्षक गण एवं कार्यालय अध्यक्ष का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण दिनांक 25.2.19 एवं केंद्रीय विद्यालय न. 2 AFS, जोधपुर के विद्यार्थियों के लिए शुष्क वन अनुसंधान संस्थान द्वारा कार्यक्रम का आयोजन (दिनांक 27.2.19)

1. जवाहर नवोदय विद्यालय, जसवंतपुरा (जालोर) के प्राचार्य, शिक्षक गण एवं कार्यालय अध्यक्ष का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

दिनांक 25.2.19 को जवाहर नवोदय विद्यालय , जसवंतपुरा, जालोर के प्राचार्य श्री हरनाथसिंह चारण , उप प्राचार्य श्री अशोक कुमार जोशी, पी.जी.टी. अर्थ-शास्त्र श्री जगदीश कुमार चौधरी एवं श्री विनोद कुमार दाधीच, कार्यालय अध्यक्ष ने शुष्क वन अनुसंधान संस्थान , जोधपुर का भ्रमण कर अनुसंधान कार्यों की जानकारी प्राप्त की । विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद एवं नवोदय विद्यालय समिति के बीच हुए एम.ओ.यू. के अनुसार ली जाने वाली गतिविधियों के बारे में चर्चा की। इन्होने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं, वन संरक्षण, ICPMS, उत्तक संवर्धन, आण्विक जीव विज्ञान का भ्रमण कर अनुसंधान गतिविधियों का अवलोकन किया। वन संरक्षण प्रयोगशाला में डॉ. संगीता सिंह , वैज्ञानिक, (वृक्षों में रोग संबंधी – प्लांट प्रोटेक्शन) , ICPMS प्रयोगशाला में श्री नरेंद्र कुमार लिम्बा , वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने ICPMS, उत्तक संवर्धन प्रयोगशाला में डॉ. सरिता आर्य ने लेमिनार एयर फ्लो एवं उत्तक संवर्धन संबंधी , आण्विक जीव-विज्ञान प्रयोगशाला में श्री आ तिफ़ इकबाल, शोधार्थी ने जैव-तकनीक संबंधी कार्यों की जानकारी दी। डॉ. एन. के. बोहरा ने चन्दन, श्रीमती संगीता त्रिपाठी ने मूल्य संवर्धन के बारे में बताया। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक ''जी'' डॉ. जी. सिंह से इन्होने विद्यालय द्वारा लिये जा सकने वाले कार्यों (जैसे नर्सरी, आर्बोरेटम, प्रदर्शनी, ग्राफ्टिंग इत्यादि) पर चर्चा की। इन्होने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित शोध संबंधी सूचनाओं का अवलोकन किया। श्री उमाराम चौधरी ने वहाँ प्रदर्शित अवक्रमित पहाड़ियों का पुनर्वासन , टिब्बा स्थिरीकरण , जल प्लावित भूमि का पुनर्वासन , लवण प्रभावित भूमि का पुनर्वासन , वन प्रकार, कृषि वानिकी, सिल्वीपेस्टोरल मॉडल, विभिन्न वनोत्पाद, राजस्थान की वृक्ष प्रजातियों इत्यादि संबंधी वहाँ प्रदर्शित

सूचनाओं एवं सामग्री की जानकारी दी। इन्होने संस्थान की नर्सरी पर श्री सादुलराम देवड़ा , तकनीकी अधिकारी से भी नर्सरी संबंधी कार्यों हेतु चर्चा की। भ्रमणकारी दल को एम.ओ.यू. की प्रति एवं संस्थान का प्रचार-प्रसार साहित्य भी उपलब्ध कराया गया।

MEDICINAL PLANTS
DOMINANT FOREST
TYPES OF RAJASTHAN
Medicinal Herbs & Botanicals

केंद्रीय विद्यालय न. 2 AFS, जोधपुर के 985 विद्यार्थियों के लिए शुष्क वन अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रकृति कार्यक्रम का आयोजन (दिनांक 27.2.19)

प्रकृति कार्यक्रम के तहत दिनांक 27.2.19 को केंद्रीय विद्यालय न. 2 AFS, जोधपुर के कक्षा 1 से 11 के 985 विद्यार्थियों के लिए संभाषण कार्यक्रम रखा गया, जिसमें प्राचार्य श्रीमती दुर्गा चौहान, उप प्राचार्य श्री एस. एल. नाहटा के साथ 35 शिक्षकगण ने भी भाग लिया। विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी भा.व.से. ने " वन एवं पर्यावरण संरक्षण" विषय पर संभाषण के द्वारा वन एवं पर्यावरण से तात्पर्य बताते हुए हवा , पानी एवं मिट्टी को संरक्षित कर पर्यावरण को सुरक्षित रखने की आवश्यकता बतायी। श्री चौधरी ने पेड़ों की महिमा बताते हुए इनसे होने वाले प्रत्यक्ष एवं परोक्ष लाभ की जानकारी देकर पेड़ों को उगाने एवं संरक्षित करने की महत्ता बतायी। श्री चौधरी ने फलों इत्यादि के बीजों को ऐसी जगह डालने की भी सलाह दी ताकि वहाँ से इनके उगकर पेड़ बनने की संभावना बने। श्री चौधरी ने पोलिथीन के दुस्प्रभाव की भी चर्चा की। श्री चौधरी ने पौधारोपण हेतु पौधा लगाने का तरीका भी बताया । विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती दुर्गा चौहान को संस्थान का प्रचार-प्रसार साहित्य भी उपलब्ध कराया गय ।

इस अवसर पर संस्थान की तरफ से संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों इत्यादि विवरण वाले पोस्टर , विभिन्न प्रकार के वनोत्पाद जैसे गोंद, जड़ इत्यादि विभिन्न प्रजातियों के बीज , वन मिट्टियों, रूट ट्रेनर, संस्थान की नर्सरी में तैयार विभिन्न प्रजातियों के पौधे रूट ट्रेनर में, कंटेनर में तैयार पौधे, इत्यादि की प्रदर्शनी लगाई गयी। प्रदर्शनी का उदघाटन प्राचार्य श्रीमती दुर्गा चौहान ने किया। श्री उमाराम चौधरी ने प्राचार्य एवं अन्य शिक्षकगण को प्रदर्शनी में प्रदर्शित विभिन्न जानकारियों एवं सामग्री के बारे में जानकारी दी।

विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी के अवलोकन द्वारा विभिन्न जानकारियाँ प्राप्त की । विस्तार प्रभाग के तकनीकी अधिकारी श्री धानाराम ने प्रदर्शनी पर आगुन्तकों को विभिन्न जानकारी दी। प्रदर्शनी की व्यवस्था में श्री तेजाराम का सहयोग रहा।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान
न्यू पाली रोड, जोधपुर
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)
आईएसओ 9001:2000 प्रमाणित संस्था
(पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था)
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (भा.वा.अ.शि.प) का उद्देश्य
वन एवं पर्यावरण संबंधी ज्वलंत समस्याओं जैसे उत्पादन, संरक्षण,
प्रचार और प्रसार एवं अनुसंधान संबंधी नवीनतम तकनीकों के माध्यम से
जन साधारण को जानकारी उपलब्ध करवाकर अनुसंधान, शिक्षा एवं
विस्तार द्वारा लोगों में वन एवं पर्यावरण के प्रति जन जागृति पैदा करवाना।
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) का उद्देश्य एवं स्थापना
शुष्क एवं अर्द्ध शुष्क क्षेत्रों के विशेष संदर्भ में राजस्थान, गुजरात,
और नागर हवेली में वानिकी जैव विविधता संरक्षण एवं जैव

न अनुसंधान संस्थान,
न्यू पाली रोड, जोधपुर
आईएसओ 9001:2000 प्रमाणित संस्था

ST SOIL